

ਕੰਗ ਭਕਨੇ ਥਾ ਆਨੰਦ,
ਖਾਂਖ਼ਾਕਾਂ ਥੇ ਕੰਗ...

ਪ੍ਰਾਚੀ ਸਾਹਮਣੇ
ਸ਼੍ਰੀ ਆਸਾਰਾਮਜੀ ਬਾਪੁ

ਆਤੋ ਕੰਗ ਮਕੇਂ...



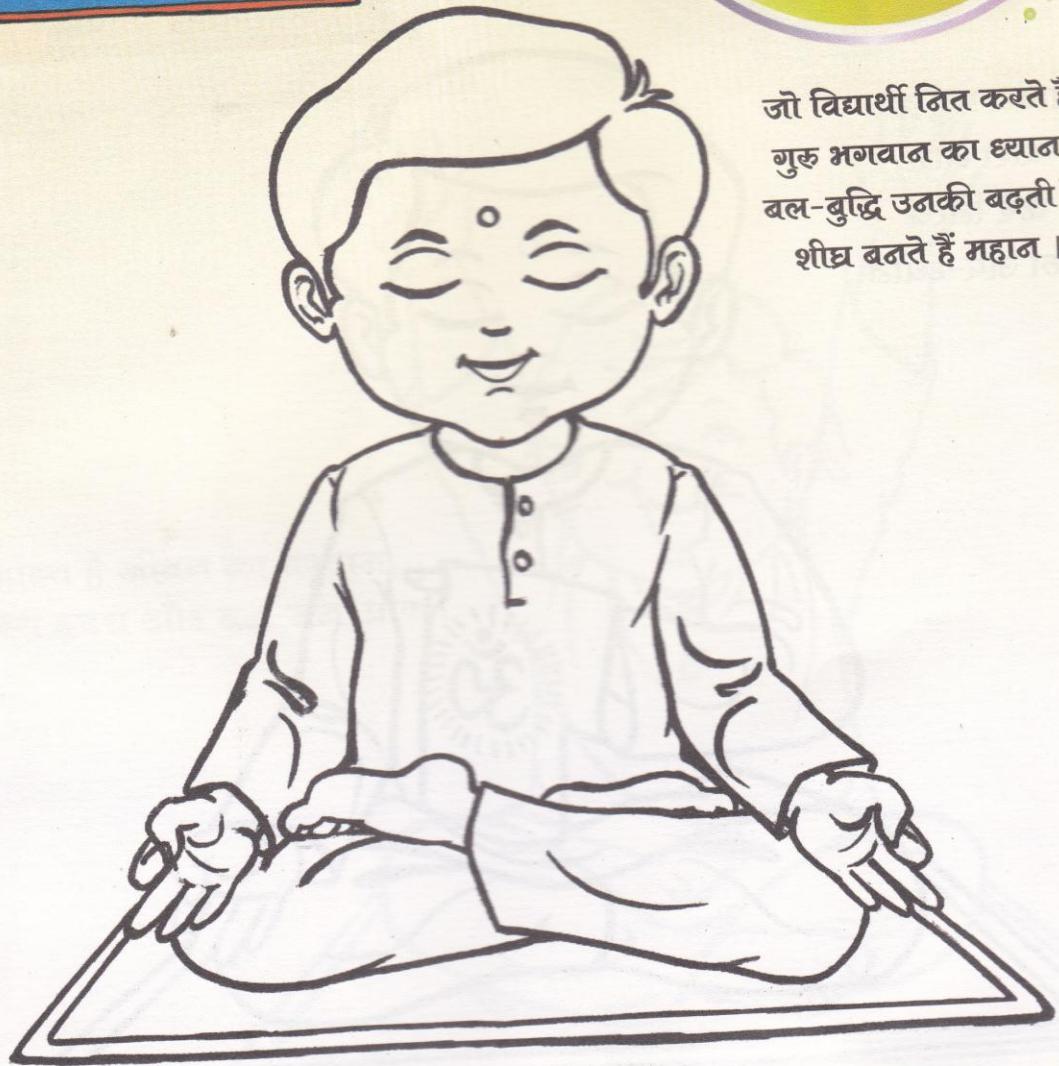
ਕੰਗ ਮੀ ਡਪਲੋਈ





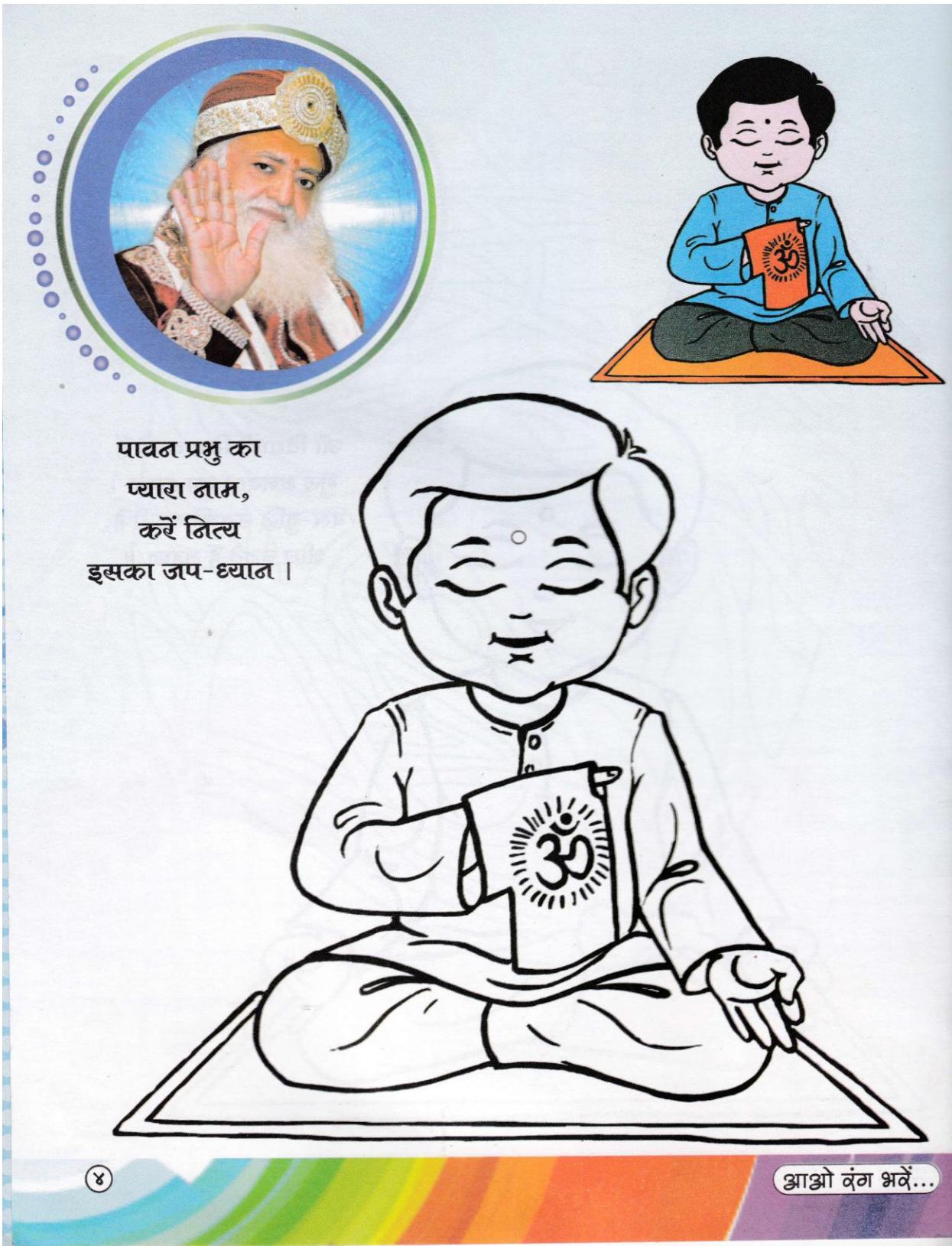
वाक्ता खोजो





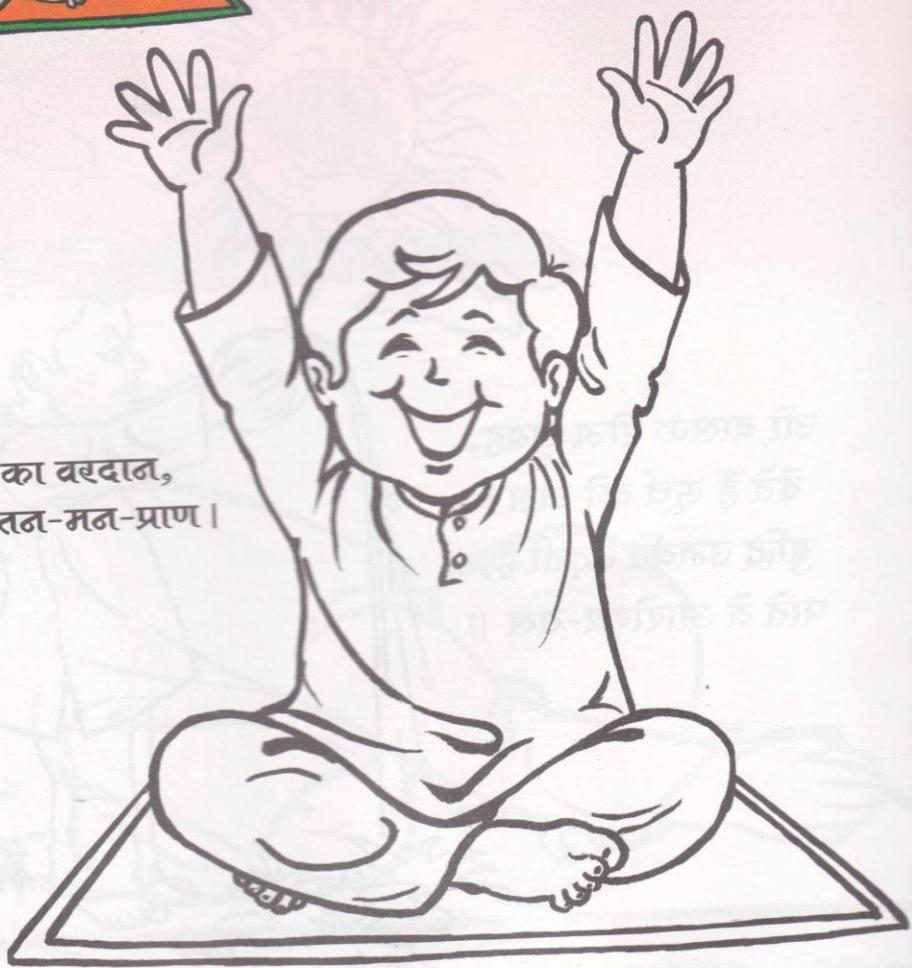
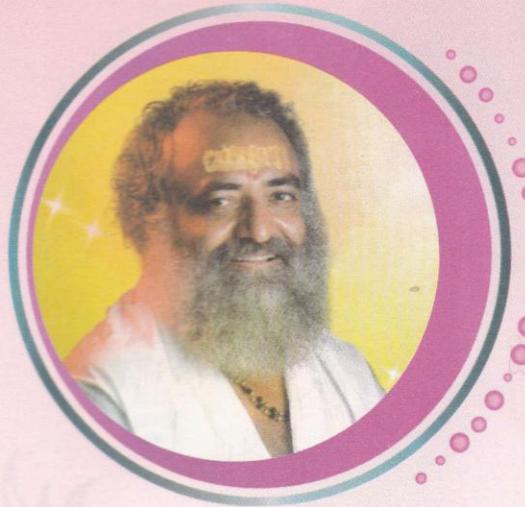
जो विद्यार्थी नित करते हैं,
गुरु भगवान का ध्यान ।
बल-बुद्धि उनकी बढ़ती है,
शीघ्र बनते हैं महान ॥

आओ कंग भवें...



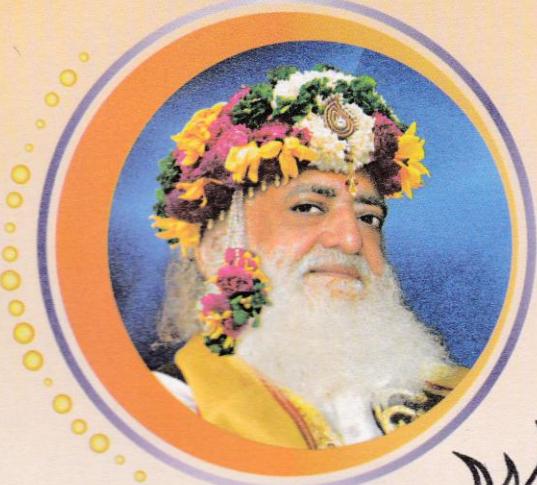
पावन प्रभु का
प्यारा नाम,
करें नित्य
इसका जप-ध्यान ।

आओ कंग भरें...



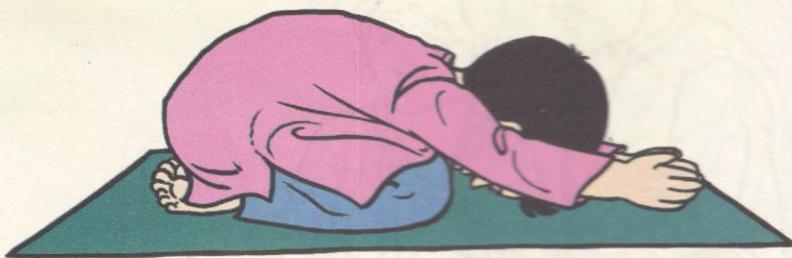
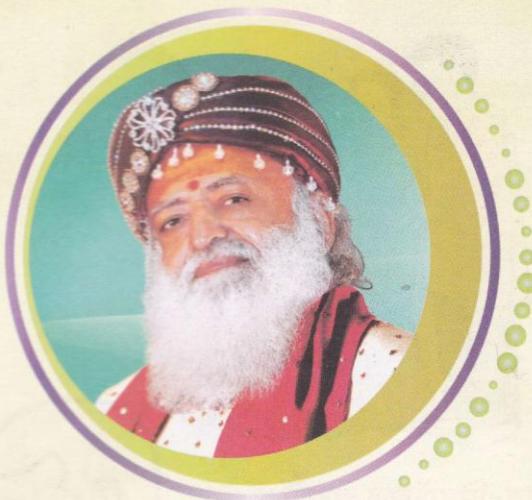
हास्य है जीवन का वरदान,
स्वस्थ हृदय और तन-मन-प्राण।

आओ कंग भरें...

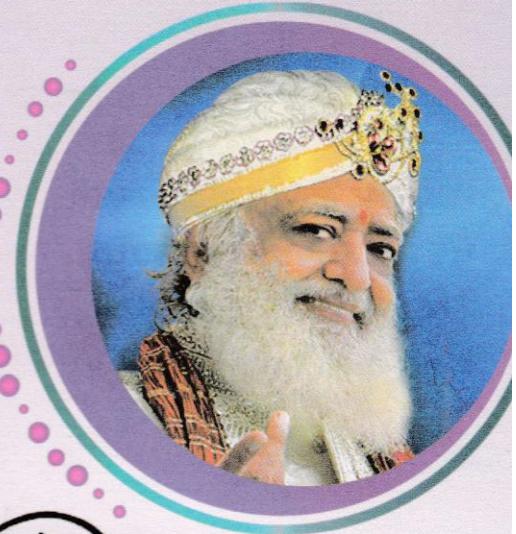


जो दालक होज सुबह,
देते हैं सूर्य को जल।
बुद्धि उठकी बढ़ती है,
पाते वे आहोव्य-बल ॥

शशकासन निर्णयशक्ति बढ़ाये,
बुरे विचारों को दूर भगाये ।
५ मिनट करके प्यारे बच्चों,
देख्यो कैसा जादू हो जाये ॥



आओ बंग भवें...



मात-पिता-गुरु चरणों में,
नमन करें जो छात्र।
शीघ्र वे बन जाते हैं,
ईश्वर के प्रिय पात्र ॥





आओ बंग श्रवें...

शांत चिन्त से करें अध्ययन,
फिर पढ़े हुए का करें मनन।

१

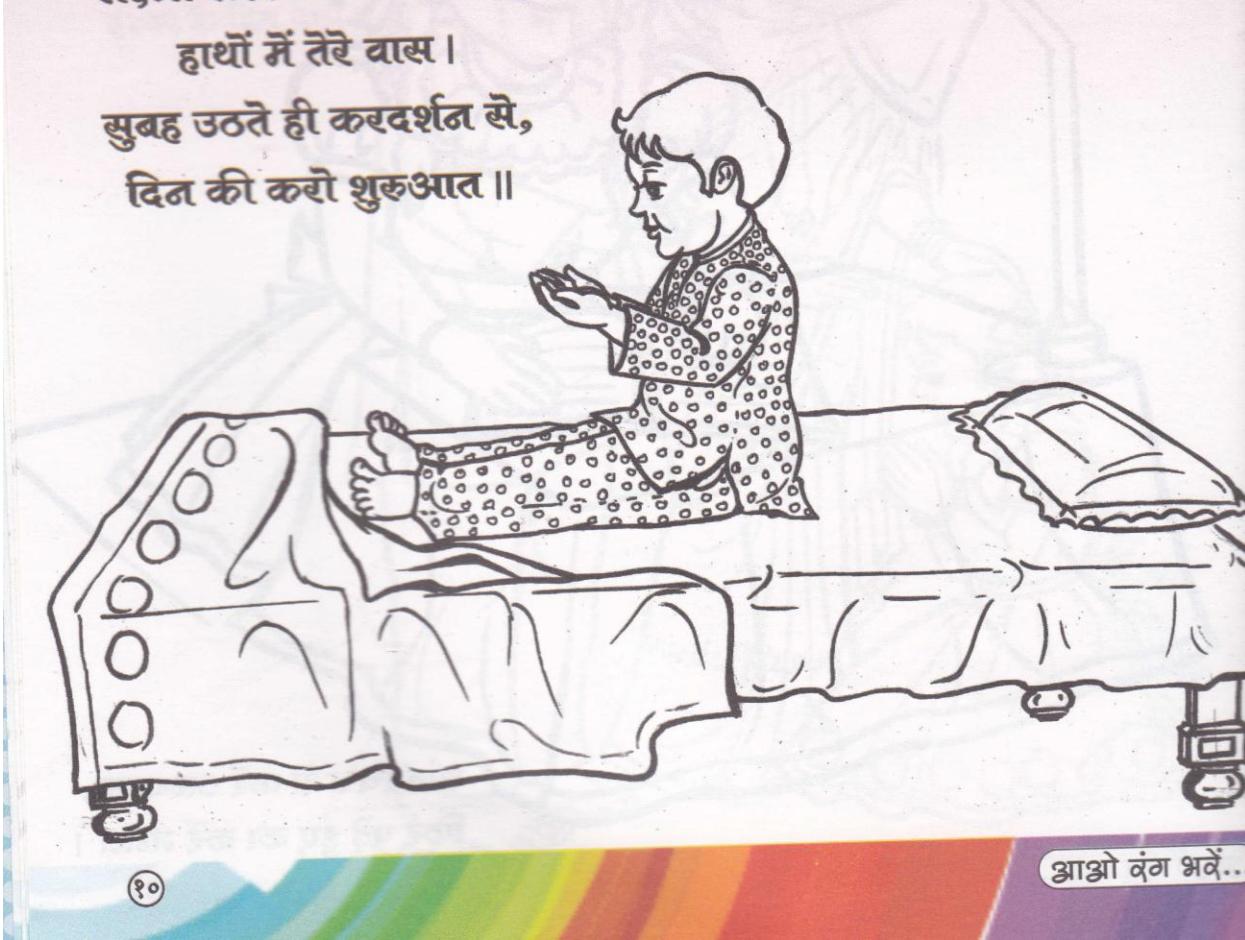


लक्ष्मी सरस्वती गोविंद का,

हाथों में तेरे वास ।

सुबह उठते ही करदर्शन से,

दिन की करो शुरुआत ॥

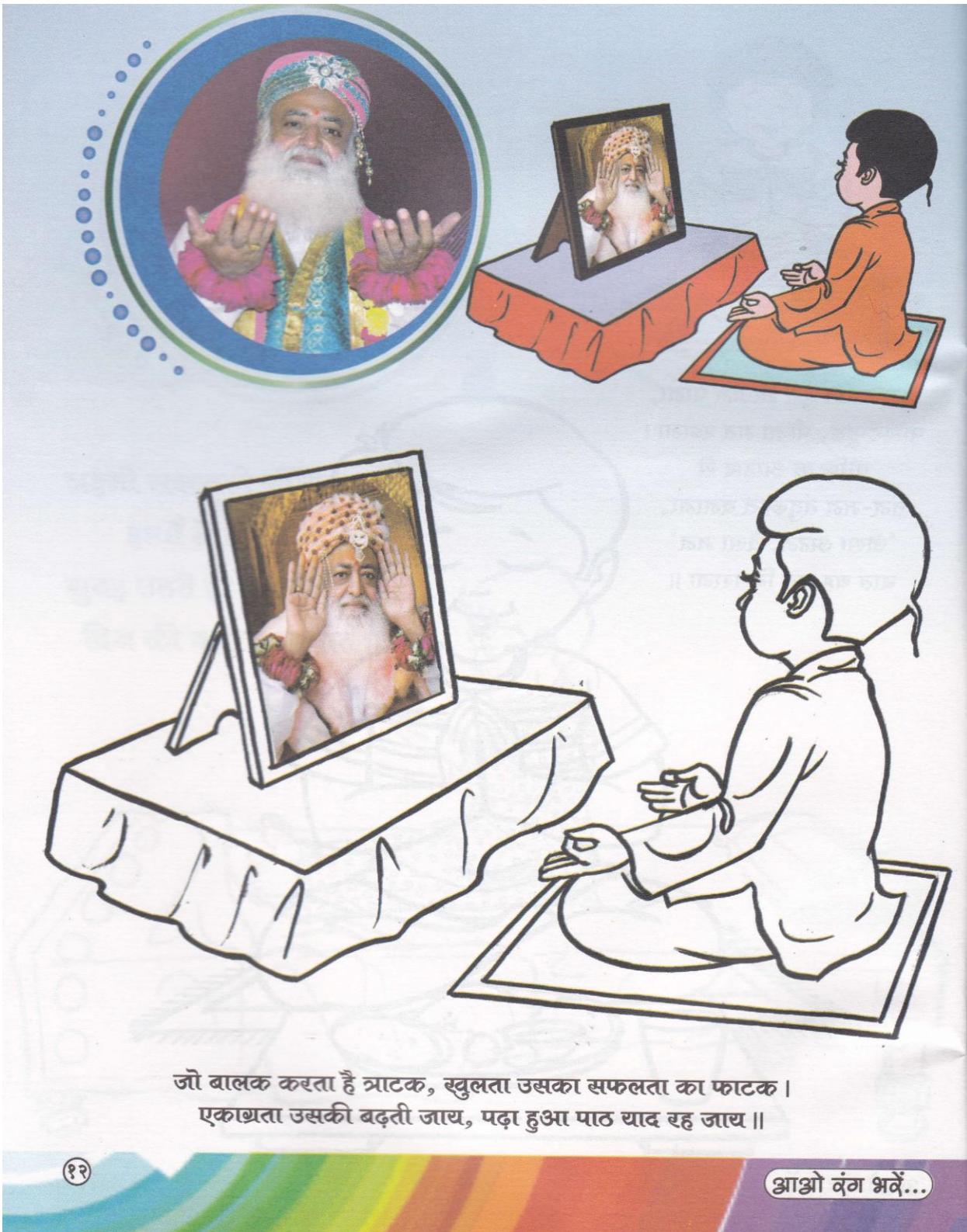




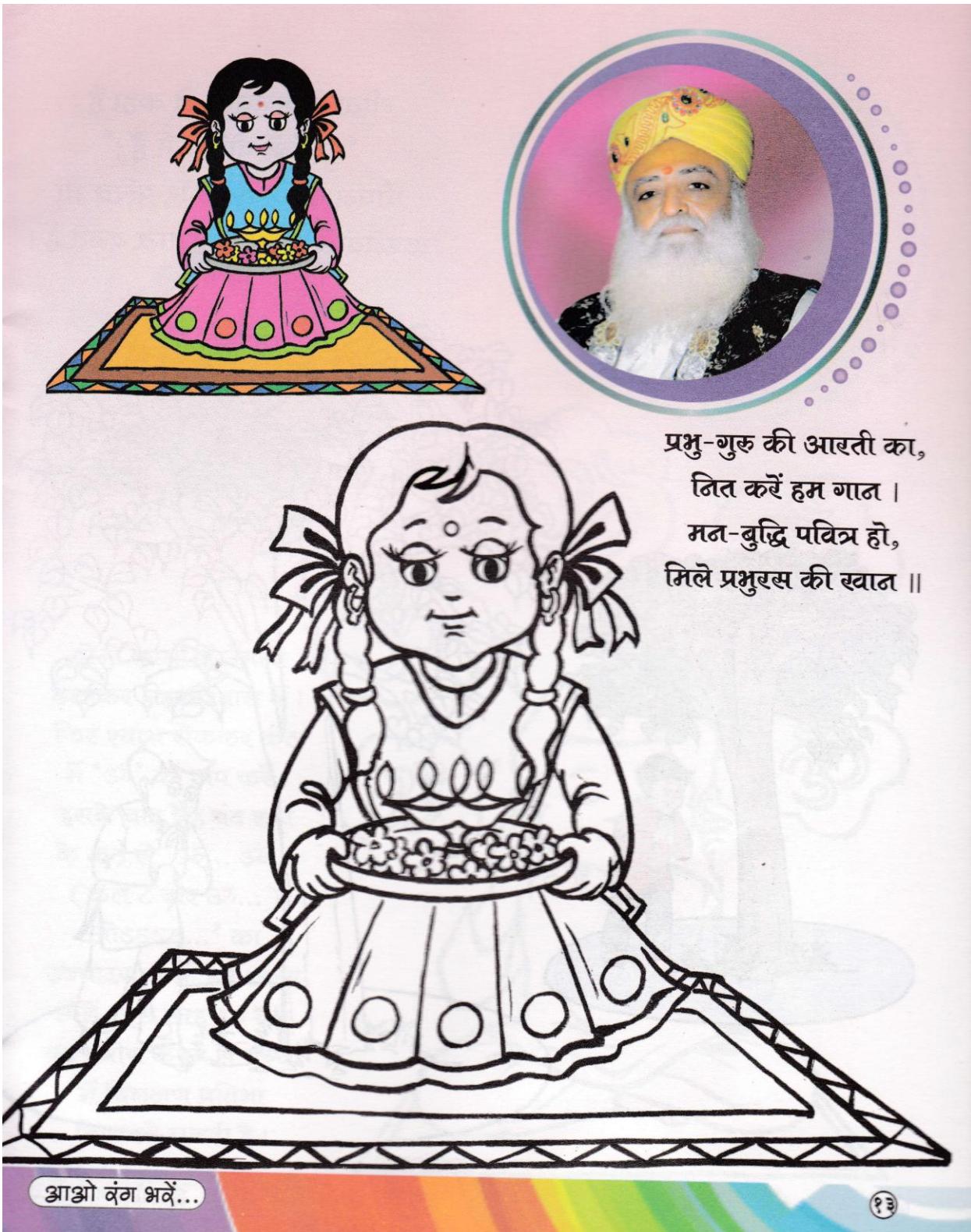
शुद्ध ताजा तुम भोजन पाना,
फास्टफूड, पीजा मत खाना ।
पौष्टिक आहार से
तन-मन तंदुरुस्त बनाना,
'जैसा अऱ्डा, वैसा मन'
बात यह मत विसराना ॥



आओ कंग भरें...



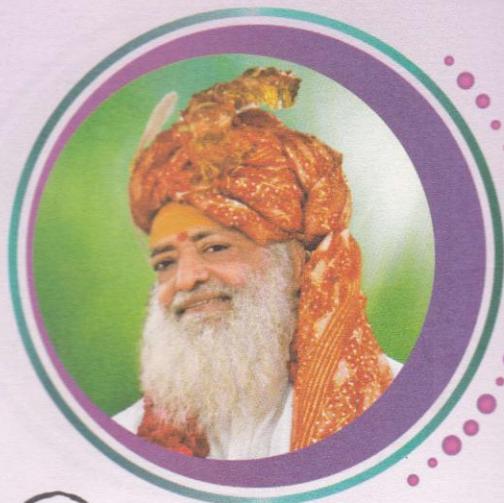
जो बालक करता है ग्राटक, स्वुलता उसका सफलता का फाटक ।
एकाश्चिता उसकी बढ़ती जाय, पढ़ा हुआ पाठ याद रह जाय ॥



प्रभु-गुरु की आरती का,
नित करें हम गान ।
मन-बुद्धि पवित्र हो,
मिले प्रभुरस की खान ॥

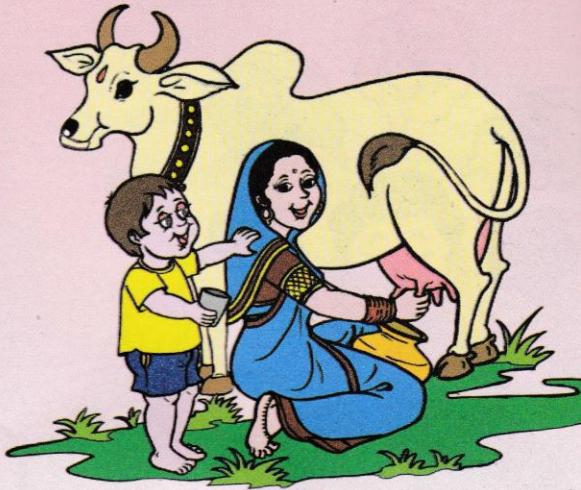
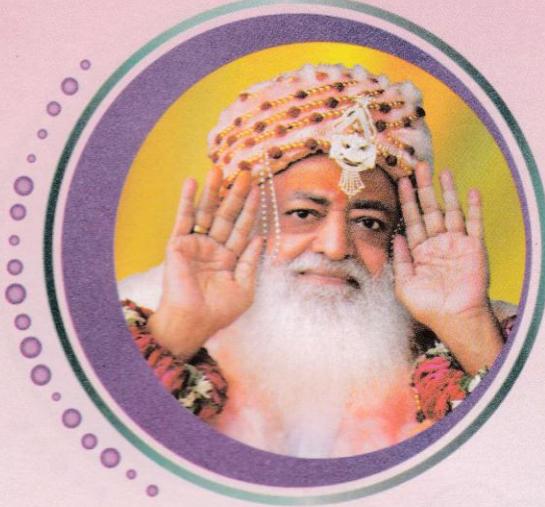
गीता में भगवान् ने कहा है :
‘वृक्षों में पीपल मैं हूँ।’
पीपल का स्पर्श और परिक्रमा
करनेवाले बच्चे बुद्धिमान बनते हैं





दोनों कानों में उँगली
डालकर गहरा श्वास लें।
फिर श्वास रोककर कंठ
में 'ॐ' का जप करें।
इसके बाद मुँह बंद रख
के कंठ से 'ॐ... ॐ...
(कुल ८ बार ॐ...)
ओऽ॒ऽ॒म्...' का
उच्चारण करते हुए श्वास
छोड़ें। इस तरह १० बार
यह प्रयोग करने से बच्चों
में विलक्षण प्रतिभा
दिखवाने लगती है।

आश्वो कंग भवें...



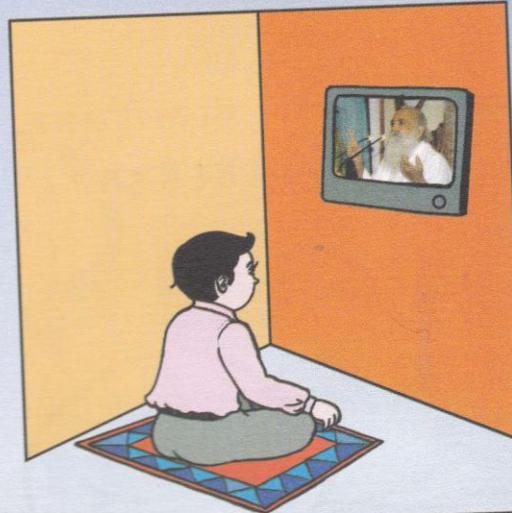
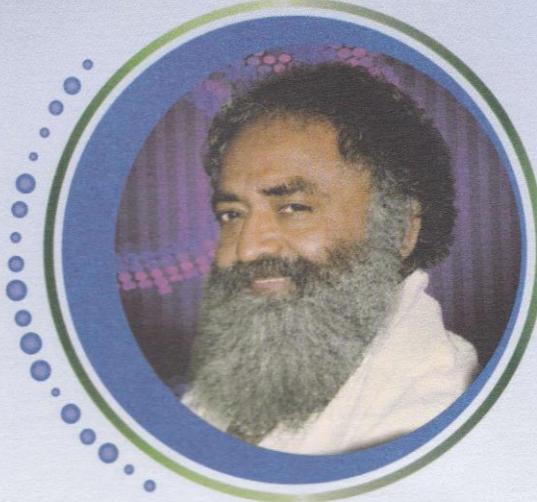
गाय का दूध धरती का अमृत है। इसकी महिमा वेदों ते भी गायी है। गाय का दर्शन पुण्यद
गाय हमारा पोषण करती है, इसलिए हम गाय को माता कहते हैं।

आओ कंग :

हाथ जोड़ के हरि को करो नमन,
प्रभु जैसे-तैसे तरे हैं हम ।



आङ्गो वंग भवें...



करें सत्संग का नित्य अभ्यास
भर लें हृदय में आनंद-उल्लास

आध्यात्मिक साँप-सीढ़ी

आओ खेलें
खेल

विद्यार्थियों के लिए सुशिक्षाओं से युक्त आध्यात्मिक साँप-सीढ़ी का खेल।
अपने नजदीकी संत श्री आशारामजी आश्रम या सत्साहित्य सेवाकेन्द्र से प्राप्त करें।

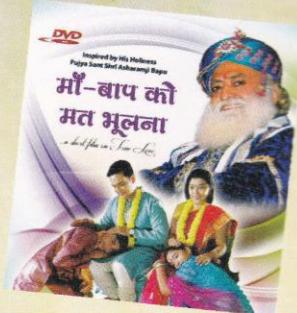


नयी DVD



माँ-बाप को मत भूलना

पूज्य बापूजी की सर्वहितकारी पहल 'मातृ-पितृ पूजन दिवस' पर आधारित प्रेरणादायी फ़िल्म देखना न भूलें। इसे देखें-दिखायें, बाँटें-बाँटवायें और संस्कृति-रक्षा में अपना अनमोल योगदान दें।



२१वीं सदी के आशाकेन्द्र : बाल संस्कार केन्द्र



आप भी स्वस्थ, प्रसन्नचित्त, उत्साही, एकाग्र, लक्ष्यभेदी एवं कार्यकुशल बनने हेतु पूज्य बापूजी की पावन प्रेरणा से चलाये जा रहे 'बाल संस्कार केन्द्र' का लाभ लें।

आयु-मर्यादा : बाल संस्कार केन्द्र : ६ से १० वर्ष,
छात्र बाल संस्कार केन्द्र : १० से १८ वर्ष, कन्या बाल संस्कार केन्द्र : १० से १७ वर्ष।

महिला उत्थान ट्रस्ट

मुख्यालय : बाल संस्कार विभाग, संत श्री आशारामजी आश्रम, अहमदाबाद-५
फोन : (०૭૯) ३९८७७७४९/५०/५१, २७५०५०१०/११

visit us: www.bsk.ashram.org
Email: bskam@ymail.com

[ashram.org](https://www.facebook.com/ashram.org)
 [ashramindia](https://twitter.com/ashramindia)

